सीआईएसएफ के महानिदेशक का संदेश

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के महानिदेशक का पदभार संभालना मेरे लिए गौरव एवं हर्ष का विषय है। यह बल आज देश की सुरक्षा संरचना में एक अद्वितीय स्थान रखता है। देश भर में हवाई अड्डों, बंदरगाहों, बिजली संयंत्रों, परमाणु और अंतरिक्ष प्रतिष्ठानों, ऐतिहासिक स्थलों और संवेदनशील सरकारी भवनों जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा करता है। इस व्यापक दायित्व को निभाने के लिए हमे उच्च स्तरीय पेशेवरता, दक्षता और और एक टीम के रूप में कार्य करना आवश्यक है।

हमारी पहली प्राथमिकता होगी परिचालन क्षमता को और सशक्त बनाना। बदलते समय के साथ सुरक्षा से सम्बंधित खतरे भी बदल रहे हैं, इसलिए हमारे कौशल और क्षमताएँ भी लगातार विकसित होती रहनी चाहिए। निरंतर प्रशिक्षण, नई तकनीकों का उपयोग, और विशेष रूप से साइबर सुरक्षा में दक्षता बढ़ाना, भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

हमारे हितधारकों (स्टेकहोल्डर) के साथ बेहतर समन्वय भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सुरक्षा व्यवस्था तभी प्रभावी होगी जब वह हितधारकों के लिए सुलभ हो, आपसी संवाद हो और परस्पर विश्वास हो। कार्यपद्धति में पारदर्शिता और भागीदारी हमारी कार्यप्रणाली को न केवल अधिक प्रभावी बनाएँगी, बल्कि हमारी संस्थागत विश्वसनीयता को भी मजबूत करेंगी।

वरिष्ठ अधिकारियों से मैं विशेष अपेक्षा रखता हूँ कि वे ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता को अपने आचरण में शामिल करें। यही गुण आपसी विश्वास का आधार बनते हैं और बल के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रेरणा का स्रोत होते हैं।

हमारे बल सदस्यों का कल्याण, हर निर्णय का आधार होना चाहिए। एक अधिकारी को इकाई के अंतिम व्यक्ति के दृष्टिकोण से सोचना चाहिए, आपसी संवाद को प्रोत्साहित करना चाहिए और सभी के देखभाल और सम्मान का वातावरण बनाना चाहिए।

मैं सीआईएसएफ के प्रत्येक बल सदस्य से अनुशासन बनाए रखने, नवाचार (इनोवेशन) को अपनाने और निरंतर सीखने के लिए प्रतिबद्ध रहने का आग्रह करता हूँ। उद्देश्य की स्पष्टता और प्रयास की एकता के साथ, हम अपने बल को देश के सर्वश्रेष्ठ बलों में से एक बनाए रखेंगे।

जय हिन्द !

प्रवीर रंजन

(प्रवीर रंजन)

महानिदेशक